



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 24]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 9, 1991/आषाढ़ 18, 1913

No. 24]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 9, 1991/ASADHA 18, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

भारत अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण

अधिसूचना

नई दिल्ली 9 जुलाई 1991

सं. पसे/1114/75-ख-वि/359 -- अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम 1971 (1971 का 43वां) के खंड 37 के उप खण्ड (2) की धारा (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियां का प्रयोग करने हुए, भारत अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से भारत अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि और पारिवारिक पेंशन निधि) विनियम, 1982 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् --

1 (1) इन विनियमों का भारत अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि और पारिवारिक पेंशन निधि) संशोधन विनियम 1990 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारत अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि और पारिवारिक पेंशन निधि) विनियम 1982 में विनियम 23 के स्थान पर निम्नलिखित विनियमों को प्रतिस्थापित किया जाए, अर्थात् --

"(23) आह्वान— (1) कोई नीचे दिए हुए प्रयोजन के लिए और कालम 4 में दी गई शर्तों के अधीन किसी भी मकसद को पांच वर्ष की सेवा पूरी करने के पश्चात्, (खंडित अधि संहिता, यदि कोई हो) अपने भविष्य निधि खाते में से आवेदन करने समय कर्मचारी के अंशदान और नियुक्ता द्वारा किए गए अंशदान और उस पर व्याज सहित जमा राशि के 100 प्रतिशत तक 3 आह्वान का स्वाक्षरित द गारंटी है किम नियुक्ता द्वारा पिछले दो वर्षों का अंशदान शामिल नहीं होगा।

टिप्पणी :—प्राधिकरण के नियमित कर्मचारी बनने से पूर्व कर्मचारी द्वारा केन्द्रीय सरकार या सार्वजनिक उपक्रम में की गई सेवा को पाँच वर्ष की अवधि के लिए हिसाब में लिया जाएगा, बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार या सार्वजनिक उपक्रम के अधीन निजी स्थानों में अगर राशि इन विनियमों के तहत स्थापित अधिष्ठा विधि में जमा कर दी गई हो :-

क्रम सं.	प्रयोजन	वह सीमा जिस तक आहरण की राशि स्वीकृत की जा सकती है	नोट
1	2	3	4
(1)	मकान बनाने या जमीन खरीदने या मकान या जमीन खरीदने पर होने वाले व्यय के लिए या वर्तमान मकान में विस्तार या परिवर्तन या फेरबदल करने के लिए। तथापि, मकान या तो सदस्य के स्वयं के नाम या उसकी पत्नी/उसके पति के संयुक्त नाम में हो। बशर्ते कि सदस्य ऐसा बचन दे कि वह मकान या स्थान या मकान और स्थान, जैसा भी मामला हो, में गतिरोध या उसमें फेरबदल नहीं करेगा।	इस स्वीकृत अधिम राशि, सदस्य के छत्तीस मास के मूल वेतन और मनुष्य भत्ते की राशि या सदस्य द्वारा किए गए अश्वान और नियोजना द्वारा किए गए अंशदान, यदि भुगतान प्राधिकृत करने की तारीख को सदस्य को उसके द्वारा जमा राशि निकालने की अनुमति दी गई हो अथवा आवासीय स्थल के भर्जन के आवासीय मकान/प्लॉट की खरीद या आवासीय मकान के निर्माण की वास्तविक लागत जो भी कम हो, में अधिक नहीं होगी।	(1) कर्मचारी में पांच वर्ष (सेवा की अधिकतम अवधि सहित, यदि कोई हो) की सेवा पूरी कर ली हो। (2) गृह-निर्माण आहरण में छः मास के भीतर प्रारम्भ होना चाहिए और निर्माण के प्रारम्भ होने की तारीख से 18 मास के भीतर पूरा हो जाना चाहिए। (3) यदि आहरण किसी गृह और/या भवन के लिए स्थान की खरीद करने के लिए किया गया हो तो किसी प्रकार आहरण में छ मास के भीतर हो जाना चाहिए। (4) यदि प्रत्याहरण गृह की खरीद के प्रयागन के लिए पहले किए गए किसी अणव को प्रदायगी करने के लिए किया गया हो, तो अणव की प्रदायगी प्रत्याहरण के ताल मास के भीतर हो जाना चाहिए। (5) जहां प्रत्याहरण गृह के निर्माण के लिए हो, वहां वह दो या तीन समान किस्ती में अनुज्ञेय हो और पञ्चावसर्ती किस्त की अनुमति पहले प्रत्याहरण के वास्तविक उपयोग के मध्य में कोई भी प्रत्यागन के पश्चात् हो जा सकती है। (6) प्रत्याहरण की अनुमति केवल तभी हो जा सकती है, यदि गृह और स्थान शिफ्टी से मकान हो और केवल किसी संयुक्त संपत्ति या भवन या गृह या भूमि के एक भाग की खरीद करने के लिए प्रत्याहरण प्रत्येक नहीं होगा बिना स्वामित्व विभक्त हो। (7) यदि प्रत्याहरण की राशि घर भू-पट स्थल के कृषि या निर्माण का वास्तविक लागत या अधिक है या राशि का उस प्राप्ति के लिए उपयोग नहीं किया गया किन्तु या सम्पूर्ण रकम तुल्य बांड को एकमुश्त में आपगत के विनियम 71 में विहित कर पर व्याज सहित ऐसे प्रत्याहरण के पास से वापस कर दी जाएगी। वापस की गई राशि कर्मचारी के अधिष्ठा विधि वाले में जमा कर दी जाएगी।

(2) निधि से वास्तविक प्रत्याहरण संप्रति या इस निमित्त उनके द्वारा विनिर्दिष्ट किसी अधिकारी से प्राधिकार प्राप्त होने पर ही किया जाएगा। प्राधिकार बोर्ड द्वारा औपचारिक मंजूरी जारी किए जाने के पश्चात् यथासंभव शीघ्र ही जारी किया जाएगा।

(3) विनियम 21 के उप विनियम (4) के अन्तर्गत इस विनियम के अधीन निधि से प्रत्याहृत राशि पर यथासंभव परिचालन तहत लागू होगी।

23. (1) आहरण. (1) कोई किसी भी सदस्य द्वारा 10 वर्ष की सेवा पूरी कर लिए जाने पर उसके निधि धाने में जमा राशि में से निम्नलिखित में से किसी भी प्रयोजनके लिए उसे आहरण करने की मंजूरी दे सकता है, अर्थात् :—

- (क) उच्च शिक्षा एवं जहाँ आवश्यक हो, निम्नलिखित मामलों में स्वयं और सदस्य के किसी भी बच्चे के लिए यात्रा व्यय को पूरा करने के लिए, अर्थात् :—
- (1) हाई स्कूल स्तर से ऊपर शैक्षणिक, तकनीकी, व्यावसायिक या वोकेशनल पाठ्यक्रम के लिए भारत से बाहर जाना; और
- (2) भारत में हाई स्कूल स्तर से ऊपर मेडिकल, इंजीनियरी या अन्य तकनीकी या विशेषज्ञता वाले पाठ्यक्रमों के लिए, बर्तन में पश्चयन पाठ्यक्रम तीन वर्ष की कम अवधि के लिए न हो;
- (ख) अपने स्वयं के विवाह और अपने परिवार के सदस्यों के विवाह में संबंधी व्यय को पूरा करने के लिए, जिनमें किसी सदस्य के पुत्र और पुत्रियाँ हों शामिल हैं।

टिप्पणी :—अपने स्वयं के विवाह के मामले में आहरण के लिए अधिक सेवा की अवधि पांच वर्ष होगी।

(2) आहरण की राशि निम्नलिखित से अधिक नहीं होगी—

(क) 36 मान का वेतन और महंगाई भत्ता; या

(ख) कर्मचारी द्वारा अंशदान की जमा राशि उस पर ब्याज तथा नियोजता द्वारा अंशदान की जमा राशि उस पर ब्याज जिनमें नियोजता द्वारा पिछले दो वर्षों में किया गया अंशदान और उस पर ब्याज शामिल नहीं है, इसमें जो भी कम हो;

परंतु भुगतान करने में पूर्व 2 रुपये के एक मान-जुस्टिफिकेशन स्टाम्प पेपर में कर्मचारी से इस आशय का प्रमाण पत्र लेना होगा कि वह आहरण स्वयं अपने पुत्र/पुत्री के विवाह/उच्च शिक्षा के प्रयोजन के लिए है।

(3) उपर्युक्त प्रयोजनों के लिए भविष्य निधि से आहरणों की मंजूरी पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होगा। यदि किसी कर्मचारी ने अपने पूर्व नियोजता से निधियाँ हस्तांतरित करवाई हैं तो भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण में दस वर्ष की सेवा पूरी करने की सीमा के प्रयोजन के लिए, उसकी पूर्व नियोजता के साथ की गई सेवा भी हिसाब में ली जाएगी।”

सी. के. मायुर, अध्यक्ष

(भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण)

टिप्पणी : भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण (कर्मचारी अंशदारी भविष्य निधि एवं परिवार पेंशन निधि) विनियम 1982, अधिवृत्त संख्या 15 फ. महत्व 13-11-82 का सरकारी राजपत्र में प्रकाशित किए गए थे और अब में यह पहला संशोधन है।

## INTERNATIONAL AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

### NOTIFICATION

New Delhi, the 9th July, 1991

No. PERS/1114/75-- Vol. VI/359 :—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 37 of the International Airports Authority Act, 1971 (43 of 1971) the International Airports Authority of India with the previous approval of the Central Government hereby makes the following regulations to amend the International Airports Authority of India (Employees Contributory Provident Fund and Family Pension Fund) Regulations, 1982, namely:—

1. (1) These regulations may be called the International Airports Authority of India (Employees Contributory Provident Fund and Family Pension Fund) Amendment Regulations, 1990.

(2) They shall come into force on the date of the publication in the Official Gazette.

2. In the International Airports Authority of India (Employees Contributory Provident Fund and Family Pension Fund) Regulations, 1982 for regulation 23, the following regulations shall be substituted, namely:—

“(23) Withdrawals— (1) The Board may sanction the withdrawal to the extent of 100% at any time after the completion of five years service (including broken period of service if any) of a member from the accumulations standing to his credit in the Provident Fund at the time of application both in Employees subscription and Employers' contributions account plus interest thereon excluding employer's contributions for the preceding two years for any of the purposes indicated below and subject to the conditions set out in column 4.

Note: The service rendered by an employee under Central Government or in a Public Undertaking before he becomes a regular employee of the Authority, shall be reckoned for the period of five years, subject to the condition that the amount standing to his credit in his Provident Fund Account while under Central

Government or the Public Undertaking has been credited to the Provident Fund established under these regulations:—

Sl. No.	Purpose	Limit upto which withdrawal may be sanctioned	Conditions
1	2	3	4
1.	To meet the expenditure on building a house or purchasing a site or a house and site or making alteration, modification or enlargement in the existing house. The house shall however, be either in the name of a member or in the joint name of his spouse. Provided that the member furnishes and undertaking not to encumber or alternate such a house or site or house and site, as the case may be.	The amount of advance so sanctioned shall not exceed the member's basic wages and dearness allowance for thirty-six months or the member's own share of contributions, together with that amount of the employer's share of contributions admissible had the member been allowed to withdraw accumulation on the date of authorisation of payment with interest thereon or the actual cost towards the acquisition of the dwelling site or the purchase of the dwelling house/flat or the construction of the dwelling house, whichever is less.	<p>(i) The employee shall have completed years/five of service (including broken period of service, if any).</p> <p>(ii) The construction of the house should be commenced within six months of the withdrawal and should be completed within eighteen months from the date of commencement of the construction.</p> <p>(iii) If the withdrawal is made for the purchase of a house and/or a site for a house, the purchase should be made within six months of the withdrawal.</p> <p>(iv) If the withdrawal is made for the repayment of loan previously raised for the purchase of a house, the repayment of the loan should be made within three months of the withdrawal.</p> <p>(v) Where the withdrawal is for the construction of house, it shall be permitted in two or three equal instalments, a later instalment being permitted only after verification by the Board about the actual utilisation of the earlier withdrawal.</p> <p>(vi) The withdrawal shall be permitted only, if the house and/or site is free from encumbrances and no withdrawal shall be permitted for purchasing a share in a joint property or building or house or land whose ownership is divided.</p> <p>(vii) If the amount withdrawal exceeds the actual cost of the purchase or construction of the house and/or site, or if the amount is not utilised for the purpose for which it is drawn the excess or the whole amount, as the case may be shall be refunded to the Board forthwith in lumpsum together with the interest from the month of such withdrawal at the rates prescribed in rule 71 of the Income Tax Rules. The amount refunded shall be credited to the employees Account in the Provident Fund.</p>

(2) The actual withdrawal from the Provident Fund shall be made only on receipt of an authorisation from the President or any other officer specified by him in this behalf. The authorisation shall be issued as soon as the formal sanction of the Board has been issued.

(3) The provisions of sub-regulation (4) of regulation 21 shall mutatis mutandis apply to moneys withdrawn from the Provident Fund under this regulation.

23(i) WITHDRAWALS. (1) Withdrawals may be sanctioned by the Board to a member any time after completing ten years of service from the amount of accumulation standing to the credit of the member in the Fund for any of the following purposes, namely:—

- (a) meeting the cost of higher education, including where necessary, the travelling expenses of self and any child of the member in the following cases namely:—
  - (i) for education outside India for academic, technical, professional or vocational course beyond the high School stage; and
  - (ii) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the High School stage provided that the course of study is for not less than three years;
- (b) meeting the expenditure in connection with self marriage and marriage of family members which inter-alia includes only sons and daughters of a member.

Note: Qualifying period of service for withdrawal in case of self marriage will be five years.

(2) The amount of withdrawal shall not exceed:—

- (a) 36 months of pay plus dearness allowance; or
- (b) amount of employees subscription plus interest thereon and employer's contribution plus interest thereon excluding last two years of employer's contribution plus interest thereon, whichever is less;

Provided that an affidavit on non-judicial stamp paper of Rs. 2/- shall be obtained from the employee stating that the withdrawal is for the purpose of marriage/higher education of self/son/daughter before making the payment.

(3) There shall not be any restriction on the number of withdrawals from the Provident Fund for the above purposes. In case an employee has got the funds transferred from his previous employer, his service with previous employer shall also be reckoned for the purpose of working out the limit of ten years of service in the International Airports Authority of India."

V.K. MATHUR, Chairman  
International Airports Authority of India

NOTE:

IAAI (Employees Contributory Provident Fund and Family Pension Fund) Regulations 1982 were notified in the official Gazette on 13-11-1982 vide Notification No 15 and this is the first amendment after that.

